जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

शेखावाटी

सन्मार्ग

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्ग मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक/वर्ष-31/अङ्क - 20 लक्ष्मणगढ़ 1नवम्बर,16नवम्बर 2021(संयुक्तांक) मूल्य (विशेषाङ्क सहित) 100/- रु.वार्षिक

लक्ष्मणगढ़ के लोगों को बारिश के पानी से मिलेगी निजात, दस करोड़ स्वीकृत

शिक्षा राज्य मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने चुनाव के दौरान की थी घोषणा। स्वायत्त शासन विभाग ने जारी की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति

लक्ष्मणगढ़ सीकर. लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए। एहतभरी खबर है। सरकार ने इलाके के लोगों को दीवाली का तोहफा दिया है। पिछले कई वर्षों से बारिश के पानी की वजह से परेशानी झेल रहे लोगों को अब जल्द राहत मिलेगी। इसके लिए स्वायत्त शासन विभाग ने बारिश के पानी की निकासी व पपिंग स्टेशन के लिए दस करोड़ की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इसके लिए राज्यमंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा प्रयासरत थे। इसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से इस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी।

लक्ष्मणगढ़ में पानी निकासी का बेहतर प्रबंधन होने से कस्बे के लोगों के साथ ग्रामीणों को भी काफी राहत मिलेगी। जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोगों को लगातार बड़े प्रोजेक्टों के तोहफे मिल रहे हैं।

अब होगा स्थायीसमाधान

अब तक बारिश के पानी की निकासी के लिए नगर निकाय की ओर से अस्थाई इंतजाम किए जाते थे। जिससे लोगों को पूरी राहत नहीं मिल पा रही थी। लेकिन अब पंपिंग स्टेशन बनने से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। पिछले विधानमा चुनाव के दौरान शिक्षा मन्ती ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने का वादा किया था।

कॉलेज, नेचर पार्क, स्टेडियम, जीएसएस, उप जिला अस्पताल

इनका कहना है

बारिश के दिनों में जलभराव की वजह से लोगों को काफी परेशानी होती थी। चुनाव के समय लोगों से इस समस्या का स्थायी समाधान कराने का वादा किया था। अब दस करोड़ से पंपिंग स्टेशन बनाने के प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है। योजना का काम भी तय समय पर पूरा होगा।

शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा कई तोहफे

लक्ष्मणगढ़ इलाके के लोगों को इस बार सबसे ज्यादा तोहफे मिले हैं। इलाके के लोगों को फ्लोराइड के पानी से पहले से मुक्ति मिल चुकी है। अब सरकारी कॉलेज, नेचर पार्क, मिनी स्टेडियम, बिजली निगम के जीएसएस, सड़क नेटवर्क, उप जिला असाताल, नए सरकारी कार्यालय, धार्मिक स्थलों को अतिरिक्त बजट संहित 20 से अधिक सौगात मिल चुकी है।

दरभंगा के विधायक संजय सरावगी का लक्ष्मणगढ़ में स्वागत

अपनों से मिल भावुक हुए विधायक

लक्ष्मणगढ़, बिहार की दरभंगा से विधानसभा सीट से लगातार पांचवीं बार विधायक बने संजय सरावगी रविवार को अपननी मातृभूमि आए। लक्ष्मणगढ़ आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं व अग्र बंधुओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी, श्रीकुमार लखोटिया, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश मोदी व दीपक जाजोदिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने साफा व मोतियों की माला पहनाकर सरावगी का अभिनंदन किया। इस दौरान अपने स्वागत से अभिभूत हुए विधायक सरावगी ने अपनी मातृभूमि व यहां के लोगों के लिए हर समय तैयार रहने का वादा किया।

इस मौके पर सरावगी के साथ आए विधान पार्षद अर्जुन साहनी व श्याम पंसारी का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल पंचायत समिति के मंत्री पवन गोयनका, उपाध्यक्ष प्रमोद मंगलूणेवाला, राजकुमार खीरवेवाल, हरिप्रसाद पुजारी, भाजपा नेता ललित पंवार, भाजयुमो अध्यक्ष चंद्रकांत जाजोदिया, महामंत्री रवि भार्गव, अग्रवाल सम्मेलन के धीरज बजाज, दिनेश सांडिया, अजय जाजोदिया, मनीष तोदी, रवि नाऊवाला, विद्या भारती के पुरषोत्तम मिश्र, भवानीशंकर जाजोदिया, अग्रवाल नवयुवक मंडल अध्यक्ष अतुल जाजोदिया व रोहित नाऊवाला, पार्षद विष्णु शर्मा, पूर्व पार्षद अशोक पुजारी, लक्ष्मीनारायण खाटूवाला, विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री विनीत सोनी, जितेंद्र ध्यावडा एवं रौनक सरावगी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। शाम को सालासर रोड़ स्थित केसर वाटिका में विधायक संजय सरावगी का श्री कुमार लखोटिया की ओर से विशेष सम्मान किया गया।

रावराजा कल्याणसिंह की 54 वीं पुण्यतिथि पर हुए कई आयोजन

अंतिम शासक को किया श्रद्धा से याद

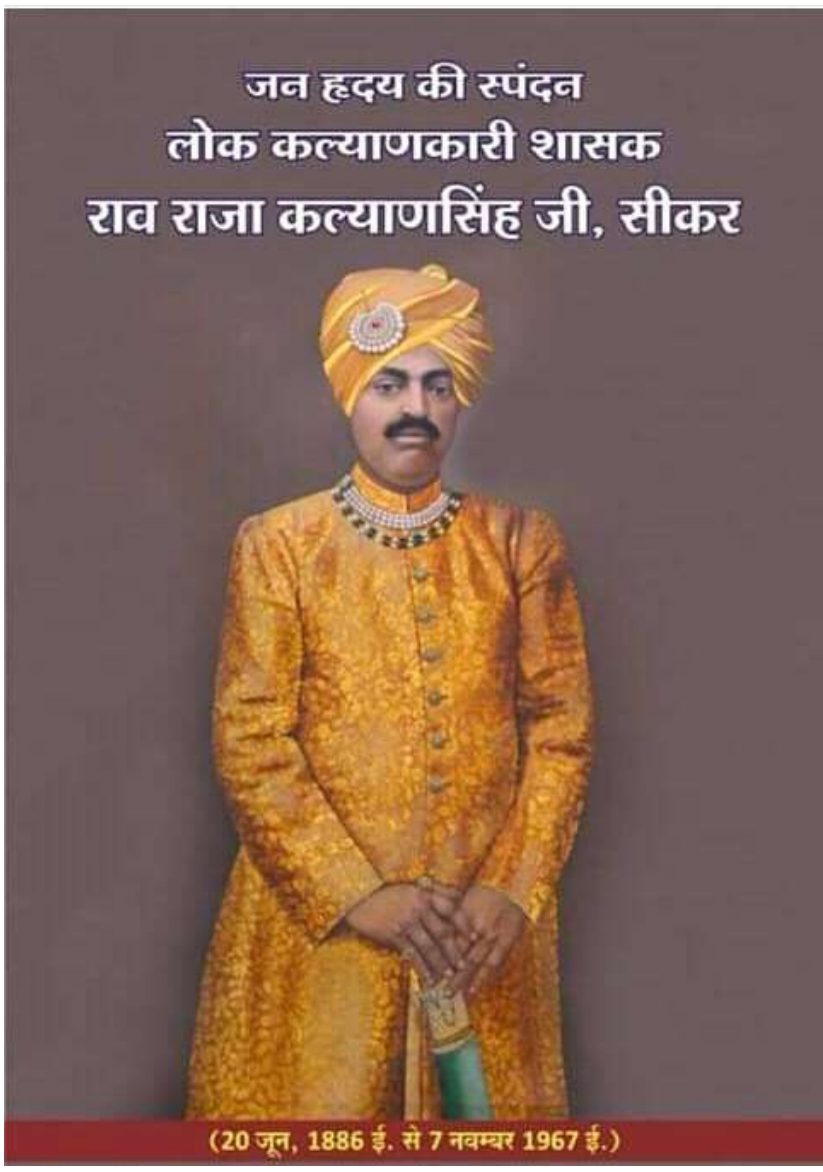

सीकर.. सीकर के अंतिम शासक रहे राव राजा कल्याणसिंह की 54 वीं पुण्यतिथि रविवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस मौके पर उनके सीकर की भलाई के लिए किए गए कार्यों को याद किया गया।

कल्याण रंगमंच पर श्रद्धांजलि सभा हुई। सांस्कृतिक मंडल के संयुक्त मंत्री जानकी प्रसाद इंदोरिया ने बताया कि राजा कल्याण सिंह का सीकर के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा हैं। सांस्कृतिक मंडल कल्याण बाल मंदिर, कल्याण आरोग्य सदन, कल्याण स्कूल, कॉलेज, कल्याण चिकित्सालय सहित कई संस्थाएं उनकी देन है। इस दौरान सांस्कृतिक मंडल अध्यक्ष सोमनाथ त्रिहन, पत्रालाल सारड़ा, डॉ. शशि बहड़, योगेंद्र सिंह सरवड़ी, सांवरमल बालाजी, सीताराम सोनी नरेश सैन सहित कई लोग मौजूद रहे। इधर, वसुंधरा राजे यूथ बिग्रेड ने सुभाष चौक स्थित गढ़ परिसर में स्थित स्मारक की साफ सफाई कर राव राजा कल्याण सिंह की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जिला प्रशासन व सरकार से कल्याण सर्किल पर प्रतिमा लगाने की मांग की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष मनोज ढ़ाका, शेखावत, सुरेश सोनी, राकेश बुरड़क आदि मौजूद रहे।

गढ़ परिसर में रावराजा की प्रतिमा पर फूल व माला अर्पित किए गए। वक्ताओं ने उनको प्रजा वत्सल व लोकहित चिंतक बताते हुए उनकी विशेषताओं का जिक्र करते हुए सीकर को उनकी देन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इतिहासविद महावीर पुरोहित व पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ईश्वरसिंह राठौड़ सहित कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर रमेश सोनी, पुनीत सोनी, डॉ सुनील शुक्ला सहित कई लोग मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर श्रमदान

सीकर राव राजा कल्याण सिंह की 54वीं पुण्यतिथि पर कल्याण राजकीय चिकित्सालय परिसर में नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर क्लब की ओर से श्रमदान किया गया। क्लब के वाइस चेयरमैन ओमपाल सिंह ने बताया कि अस्पताल के डिप्टी मेडिकल सुपरिडेंट डॉ. जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में क्लब सदस्यों ने अस्पताल परिसर में श्रमदान कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान महावीर धींवा, कालूराम, महेंद्र फोगावट, प्रवीण शर्मा, महेंद्र ओला, विक्रम सिंह, संजू शर्मा, सागर सैनी, महेंद्र गढ़वाल, दिनेश कुमावत, श्रीचंद, मुकेश सैनी, शुभकरण जाखड़, लोकेश आर्य, कुमावत, किरण सेवदा, राजेंद्र तेतरवाल आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

“ सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् ”

त्र्यम्बक शिव और उनकी महाशक्ति 'भुवनेश्वरी'

सूर्यमें प्रकाश है, ताप (अग्नि) है, आहुतसोम (चन्द्रमा) है। 'त्रीणि ज्योतींषि सचते स षोडशी' के अनुसार उस शिव-शक्तिने इन्हीं तीन रूपोंसे विश्वको प्रकाशित कर रखा है। अतएव सूर्यको लोकचक्षु कहा जाता है। इन्हीं तीन ज्योतियोंका निदान तीन नेत्र हैं। सौरशक्ति सम्पूर्ण खगोलमें व्याप्त है। खगोल चतुर्भुज है। इसीका निदान चार भुजाएँ हैं। सोमाहुतिसे यह शान्त बन रही है। प्रातः कालका बालसूर्य इसकी साक्षात् प्रतिकृति है। बालार्क इसी अवस्थाका निदान है। सूर्यसे उत्पन्न होनेवाली प्रजा सौर आकर्षण-सूत्रसे बद्ध रहती है। स्वयं पृथिवी भी उससे बद्ध है। अतएव वह कभी क्रान्तिवृत्तको नहीं छोड़ती। उस सौर-शक्तिने अपने आकर्षणरूप पाशसे सबको बद्ध कर रखा है। पाश इसीका निदान है। अक्षररूपा उस नियतिके डरसे सब अपना-अपना काम यथावत् कर रहे हैं। स्वयं सूर्य भी उसका लोहा मानता है।

भयादस्याग्निस्तपति भयात्तपति सूर्यः ।
भयादिन्द्रश्च वायुश्च मृत्युर्धावति पञ्चमः ॥
के अनुसार वह सबपर अपना अंकुश रखती है। अंकुश इसीका निदान है। जो प्रधापराधसे शक्तिके उन अटल नियमोंका उल्लंघन करते हैं उनका वह नाश कर डालती है। पृथिवी, अन्तरिक्ष, द्यौ तीनों लोकोंमें व्याप्त रुद्रके अन्न, वायु, वर्षा तीन प्रकारके इषु (बाण) हैं। (यजु० १६ । ६६) वे इषु असलमें इस शक्तिके इषु हैं। इन्हींके द्वारा वह संहार करती है। शर इन्हींका निदान है। सृष्टिकर्ता ब्रह्मा, पालक विष्णु, संहारक रुद्र, खण्डप्रलयके अधिष्ठाता यम, चारों देवता उसके अधीन हैं। वह चारोंपर प्रतिष्ठित है। 'चतुर्बाहाम्' इसी अवस्थाका निदान है। पूर्वोक्त ध्यान इसी स्वरूपको प्रकट करता है।

त्र्यम्बक शिव और उनकी महाशक्ति 'भुवनेश्वरी'
सूर्य उत्पन्न हुआ। पारमेष्ठ्य सोमकी आहुति हुई, इससे यज्ञ हुआ। यज्ञसे त्रैलोक्य निर्माण हुआ। तीनों भुवन उत्पन्न हो गये, विश्वोत्पत्तिके उपक्रममें षोडशीकी सत्ता थी। भुवनोंको उत्पन्नकर उनका सञ्चालन करती हुई वही शक्ति आज 'भुवनेश्वरी' बन गयी। यही चौथी सृष्टिधारा है, चौथी सृष्टि-विद्या है। इसीका स्वरूप बतलाते हुए ऋषि कहते हैं
उद्यदिनद्युतिमिन्दुकिरीटां तुङ्गकुचां नयनत्रययुक्ताम् । स्मेरमुखीं वरदाङ्कुशपाशाभीतिकरां प्रभजे भुवनेशीम् ॥

(शाक्तप्रमोद - भुवनेश्वरीतन्त्र) यदि सूर्यमें सोमाहुति न होती तो यज्ञ असम्भव था। बिना यज्ञके भुवन-रचनाका अभाव था। बिना भुवनके 'भुवनेश्वरी' उन्मुग्ध थी। सूर्यके मस्तक (ऊपर) भागपर प्रतिष्ठित ब्राह्मणस्पत्य सोम आहुत हो रहा है। इसीसे भुवनोत्पत्ति है। इसीसे भुवनेश्वरी उद्बुद्ध है। 'इन्दुकिरीट' इसी अवस्थाका निदान है। तीन नेत्रोंका निदान पूर्वसे गतार्थ है ।

संसारमें जितनी भी प्रजा है सबको उसी त्रिभुवन-व्याप्ता भुवनेश्वरीसे अन्न मिल रहा है। ८४ लाख योनियाँ उसीसे अन्न लेकर जीवित हैं। इसीका निदान वरदा है। जो भुवन प्रलय- समुद्रमें विलीन था आज वही इसी शक्तिके प्रभावसे विकसित हो रहा है। मानो वह शक्ति अपनी उग्रता छोड़कर विश्वपर कृपादृष्टि कर रही है। 'स्मेरमुखी' शब्द इसी भावका निदान है। शासनशक्तिका निदान अंकुश पाशादि है, जैसा कि पूर्वमें बतलाया जा चुका है।

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

राजस्थान की दूसरी मीरा भक्तिमती करमैति बाई की जन्म स्थली है खण्डेला

अरावली पर्वत मालाओं की तलहटी में स्थापित महाभारत कालीन कस्बा खंडेला की पावन तपोभूमि में समय-समय पर अनेक संत, भक्त व महात्माओं का आविर्भाव एवं निवास होता आया है। इसी श्रेणी में लगभग 600 वर्ष पूर्व कुलीन ब्राम्हण (पारीक) परिवार में भक्तिमय राजस्थान की दूसरी मीरा करमैतिबाई का जन्म खंडेला में हुआ।

उस समय खंडेला में भगवान नृसिंह के अनन्य भक्त राजा द्वारकादास राज करते थे। पंडित परशुराम पारीक इनके राजपुरोहित थे। बड़ी उम्र में भी इनके कोई संतान नही हुई। सन्तान के दुःख से दुःखी परशुराम अपनी कुलदेवी कुंजलमाता के मंदिर ग्राम जायल (मारवाड़) सन्तान प्राप्ति की इच्छा के लिए अपनी पत्नी के साथ रवाना हुए। उन्होंने प्रतिज्ञा की या तो माता संतान का वरदान देगी। अन्यथा यहीं शरीर का त्याग कर दूँगा। एक दिन परशुरामजी नित्यकर्म से निवृत्त निवृत होकर माता जी के ध्यान में मग्न थे कि कुलदेवी का दर्शन हुआ। दिव्य मूर्ति ने पूछा कहां जा रहा है। परशुराम ने अपनी दुःख भरी कहानी बताई। माता ने परशुराम को चार पुत्रों का वरदान दिया। परशुराम ने प्रार्थना कि हे माता एक आप जैसी कन्या भी होनी चाहिए। देवी ने मनोरथ पूर्ण होने का वरदान दिया। घर लौटकर आने के बाद परशुरामजी के पाँच सन्तान हुई। यही कन्या करमैति बाई थी वृदांवन के मर्मज्ञ देवरमणाचार्य के शिष्य पं. परशुरामजी बड़े विद्वान थे। इन्होंने अपनी पुत्री का नामकरण करमैति स्वयं किया करम+इति अर्थात करमैति अर्थात कर्मों का समापन होना। इस तरह अपनी पुत्री का नाम करमैति रखना उनका

दूरदर्शिता का उदाहरण है। उक्त बात गिरधर गोपाल शास्त्री (वृंदावन) ने एक कथा बताई थी। करमैति बाई बाल्यावस्था में ही भगवान कृष्ण का ध्यान लगाकर बैठ जाती। पिता से रास पंचाध्यायी की कथा सुनने के बाद तो करमेति ने कृष्ण का ही अपना पति मान लिया।करमैती का विवाह अल्पायु में ही सांगानेर के आशियों के यहां सभी था। लीना कराने के लिए पंडित खंडेला आए। तब करमैति बड़े सोच विचार में पड़ गई कि क्या करना चाहिए। करमैति ने निर्णय किया कि वृजधाम के लिए प्रस्थान करना ही क्षेयस्कर होगा अर्ध रात्रि में करमैति घर से निकल पड़ी। प्रातः पंडित परशुराम ने करमेति के घर से गायब होने की बात राजा द्वारकादास को बताई। राजा ने सिपाही घुड सवार और पैदल बड़ी संख्या में ढूंढ़ने के लिए लगाए। लेकिन करमैति का पता नहीं लगा। करमैति ने एक मरे हुए ऊंट के खोह में अपने आप को छिपा लिया था। • तीन दिन ऊंट के कंकाल में व्यतीत काल एक सुखी किये। ऊंट तलाई जिसे करमा खाडी जोहड़ी। कहते हैं में पड़ा था। जो आज भी मुकन्द की बावड़ी के पास है। तीन दिन याद करमेति ककाल से निकलकर चली तो तीर्थ यात्रियों का एक समूह मिला गया। उस समूह के साथ यमुना किनारे आकर स्नान किया तथा पवित्र होकर स्वर्ण आभूषण दान कर दिए और वृंदावन धाम में प्रवेश किया। पंडित परशुराम ने अपनी पुत्री की खोजबीन कि तथा वृदांवन आ पहुँचे। काफी खोजबीन के बाद करमैति महाकावन धाम) के पास ध्यान मगन मिली। परशुराम ने पुत्री को हिलाया दुलाया तब पुत्री का ध्यान पिताजी पर पड़ा। पिताजी ने रोकर पुत्री को अपनीव्यथा सुनाई। तथा गौने के अवसर पर भाग कर आने से निंदा से अवगत कराया। करमैति ने पिता को कहा कि नश्वर शरीर से मोह कैसा? शरीर क्षण भंगुर हैं जो रक्षा करता है वह पति हैं सच्चा पति ईश्वर ही हैं। करमैति के उपदेश सुनकर पिता परशुराम का अज्ञान नष्ट हो गया। खंडेला आने से पूर्व पुत्री से चिह्न मांगा तब करमैति ने राधा कुंड में डुबकी लगाकर श्रीकृष्ण बिहारीजी की मूर्ति निकालकर पिताजी को दी। प्रियाजी कि मूर्ति लाने के लिए फिर डूबकी लगाई। देरी होने पर पिता विलाप करने लगे तब बाई छोटी मूर्ति लेकर बाहर आई और पिता से कहा आपने उतावले में काम बिगाड़ दिया। पिता बिहारीजी की मूर्ति लेकर खंडेला आ गए। वह मूर्ति आज भी बिहारी जी के मन्दिर में स्थापित हैं।

• जनार्दन शर्मा, खण्डेला

कुमारी-निरूपण

एक वर्षकी उम्रवाली बालिका 'सन्ध्या' कहलाती है, दो वर्षवाली 'सरस्वती', तीन वर्षवाली 'त्रिधामूर्ति', चार वर्षवाली 'कालिका', पाँच वर्षकी होनेपर 'सुभगा', छः वर्षकी 'उमा', सात वर्षकी 'मालिनी', आठ वर्षकी 'कुब्जा', नौ वर्षकी 'कालसन्दर्भा', दसवेंमें 'अपराजिता', ग्यारहवेंमें 'रुद्राणी', बारहवें में 'भैरवी', तेरहवें वर्षमें 'महालक्ष्मी', चौदह पूर्ण होनेपर 'पीठनायिका', पन्द्रहवेंमें 'क्षेत्रज्ञा' और सोलहवें में 'अम्बिका' मानी जाती है। इस प्रकार जबतक ऋतुका उद्गम न हो तभीतक क्रमशः संग्रह करके प्रतिपदा आदिसे लेकर पूर्णिमातक वृद्धि-भेदसे कुमारी पूजन करना चाहिये ।

(रुद्रयामल - उत्तरखण्ड, छठा पटल) अन्यत्र बृहन्नीलतन्त्र आदि ग्रन्थोंमें उपर्युक्त पाठ और नामोंसे कुछ विभिन्नता पायी जाती है। कुब्जिका तन्त्रके सातवें पटलमें इसी विषयका यों वर्णन है

पाँच वर्षसे लेकर बारह वर्षकी अवस्थातककी बालिका अपने स्वरूपको प्रकाशित करनेवाली कुमारी कहलाती है। छः वर्षकी अवस्थासे आरम्भकर नवेंतककी कुमारी साधकोंका अभीष्ट-साधन करती है। आठ वर्षसे लेकर तेरहकी अवस्था होनेतक उसे कुलजा समझे और उस समय पूजन करे। दस वर्षसे शुरूकर जबतक वह सोलह वर्षकी हो, उसे युवती जाने और देवताकी भाँति उसका चिन्तन करे।

विश्वसारग्रन्थमें कहा गया है-आठ वर्षकी बालिका गौरी, नौ वर्षकी रोहिणी और दस वर्षकी कन्या कहलाती है। इसके बाद वही महामाया और रजस्वला भी कही गयी है। बारहवें वर्षसे लेकर बीसवेंतक वह सभी तन्त्रग्रन्थों में सुकुमारी कही गयी है।

जो मन्त्रमहोदधिके अठारहवें तरङ्गमें इस प्रकार है। यजमानको चाहिये कि दस कन्याओंका पूजन करे। -) उनमें भी दो वर्षको अवस्थासे लेकर दस वर्षतककी कुमारियोंका ही पूजन करना चाहिये। जो दो वर्षकी उम्रवाली है वह कुमारी, तीन वर्षकी त्रिमूर्ति, चार वर्षकी कल्याणी, पाँच वर्षकी रोहिणी, छः वर्षकी) कालिका, सात वर्षकी चण्डिका, आठ वर्षकी शाम्भवी, नौ वर्षकी दुर्गा और दस वर्षकी कन्या सुभद्रा कही गयी है। इनका मन्त्रोंद्वारा पूजन करना चाहिये। एक वर्षवाली कन्याकी पूजासे प्रसन्नता नहीं होगी, अतः उसका ग्रहण नहीं है और ग्यारह वर्षसे ऊपरवाली कन्याओंका भी ६ पूजामें ग्रहण वर्जित है। कुमारी-पूजनका फल जो कुमारीको अन्न, वस्त्र तथा जल अर्पण करता है उसका वह अन्न मेरुके समान और जल समुद्रके सदृश अक्षुण्ण तथा अनन्त होता है। अर्पण किये हुए वस्त्रोंद्वारा वह करोड़ों-अरबों वर्षोंतक शिवलोकमें पूजित होता है। जो कुमारीके लिये पूजाके उपकरणोंको देता है उसके ऊपर देवगण प्रसन्न होकर उसीके पुत्ररूपसे प्रकट होते हैं । (कुब्जिकातन्त्र) कुमारी-पूजाका फल अवर्णनीय है, इसलिये सभी जातिकी बालिकाओंका पूजन करना चाहिये । कुमारी पूजनमें जातिभेदका विचार करना उचित नहीं है। करनेसे मनुष्य नरकसे छुटकारा नहीं पाता। | संशय में पड़ा हुआ मन्त्र-साधक अवश्य पातकी होता है। इसलिये भक्तको चाहिये कि देवीबुद्धिसे कुमारीकी पूजा करे, क्योंकि कुमारी सर्वविद्यास्वरूपिणी है- इसमें कोई सन्देह नहीं है। जहाँ कुमारीकी पूजा हो वह पृथिवीपर परम पावन देश है, उसके चारों ओर पाँच कोसतकका प्रान्त अत्यन्त पवित्र हो जाता है।

(योगिनीतन्त्र, पूर्वखण्ड, सत्रहवाँ पटल) सभी बड़े-बड़े पर्वोंपर अधिकतर पुण्यमुहूर्तमें और महानवमी-तिथिको कुमारी-पूजन करना चाहिये। वस्त्र, भूषण और भोजन आदिसे महापूजा करके मन्दभाग्य पुरुष भी विजय और मङ्गल प्राप्त करता है। पूजन तथा भोजन आदिसे ही कुमारी एक, दो और तीन बीज मन्त्रोंकी सिद्धिका फल देनेवाली है-इसमें कोई सन्देह नहीं है। उन्हें फूल, फल, अनुलेप और बालप्रिय नैवेद्य आदि देकर उनकी सेवाभावमें ही प्रवृत्त हो जाय । कन्या ही सबसे बड़ी समृद्धि और सबसे उत्तम तपस्या है। वीर पुरुष कुमारी-पूजनसे कोटि गुना फल प्राप्त करता है। यदि कुलीन पण्डित कन्याको पुष्पाञ्जलि अर्पण करे तो वह पुष्प करोड़ों सुवर्णमय मेरुके समान हो जाता है। उस मेरुके दानका जो पुण्य है उसे वह उसी क्षण प्राप्त कर लेता है। जिसने कुमारीको भोजन कराया उसने मानो त्रिभुवनको तृप्त कर दिया। (यामल) सम्पूर्ण कर्मोंका फल प्राप्त करनेके लिये कुमारी

पूजन करे। (कालीतन्त्र – ग्यारहवाँ पटल) कुमारी-पूजासे मनुष्य सम्मान, लक्ष्मी, धन, पृथिवी, श्री, सरस्वती और महान् तेज प्राप्त कर लेता है। उसके ऊपर दसों महाविद्याएँ और देवगण प्रसन्न होते हैं- इसमें कोई भी सन्देह नहीं। कुमारी-पूजनमात्रसे पुरुष त्रिभुवनको वशमें कर सकता है और उसे परमशान्ति मिलती है; इस प्रकार कुमारी-पूजन समस्त पुण्य-फलोंको देनेवाला है।

रामगढ़ गौरव श्री अनूप ढण्ड ने ने हाईकोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण की, रामगढ़ में मिठाइयां वितरित

जोधपुर। रामगढ़ शेखावाटी गौरव जयपुर प्रवासी श्री अनूप ढण्ड द्वारा एडवोकेट कोटे से न्यायाधीश मनोनयन के पश्चात् जोधपुर में आयोजित समारोह में हाईकोर्ट न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। श्री अनूप ढण्ड के न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करने के साथ ही मातृभूमि रामगढ़ में खुशियां शुरू हो गई। रामगढ़ गौरव श्री अनूप ढण्ड नगर के जयपुर व सीकर प्रवासी यशस्वी वरिष्ठ अधिवक्ता श्री ओम् प्रकाश ढण्ड के सुपुत्र है तथा आपका मातृभूमि रामगढ़ से गहरा स्नेह और लगाव है। श्री ढण्ड के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात रामगढ़ में श्री सतीश ढण्ड व श्री नरेश ढण्ड के नेतृत्व में ढण्ड परिवार द्वारा पूरे बाजार सहित में नगर में मिठाइयां वितरित करते हुए खुशियां मनाई। श्री ढण्ड के हाईकोर्ट जज शपथ ग्रहण करने पर राम्रगढ़- नागरिक परिषद् कलकत्ता सहित विप्र समाज के गौरवशाली संगठन श्री सप्तर्षि सेवा मण्डल न्यास सहित विभिन्न संस्थाओं ने बधाई संदेश प्रेषित किये।

पथमेड़ा महाराज के स्वागत में उमड़े लोग

राणी सती मंदिर में आज होगी धर्म सभा

सीकर| स्वामी दत्तशरणानंद महाराज पथमेड़ा शुक्रवार को सीकर पहुंच गए। उन्हें वाहन रैली के साथ राणी सती मंदिर तक लाया गया। महाराज के सानिध्य में शनिवार को सुबह 11 बजे से यहां धर्म सभा का आयोजन होगा। महाराज के आगमन पर महिला मंडल ने शुक्रवार को शहर के वार्डों में पीले चावल बांटकर धर्म सभा में आने का न्यौता दिया। कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को सुबह छह बजे प्रभात फेरी, संकीर्तन और प्लास्टिक मुक्त अभियान गोपीनाथ मंदिर से गोशाला तक हुआ। गोपीनाथ गोशाला में सवा सात से पौने आठ बजे तक नंदी पूजन, आरती एवं यज्ञ शुरू होगा। सवा नौ बजे यज्ञ पूर्णाहुति के बाद गोचिकित्सालय का शिलान्यास किया गया। 11 बजे से राणी सती मंदिर में गोसेवा महिमा सभा हुई। दोपहर ढाई बजे गोभक्त भामाशाह द्वारा अर्पित गोदान भूमि पर गोशाला का शिलान्यास किया गया।

सजी भगवान लक्ष्मीनाथ की प्रतिमा

फतेहपुर कस्बे में बुधवार को रूप में चौदस पर नगर अराध्यदेव भगवान श्री लक्ष्मीनाथ की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया गया। पुजारी हेमंत भोजक के सान्निध्य में भगवान लक्ष्मीनाथ की शेषनाग पर झांकी सजाई। मंदिर में सुबह शाम की आरती में श्रद्धालुओं का तांता रहा। रूप चौदस पर महिलाओं ने श्रृंगार कर नववस्त्र धारण किए। मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया है। दीपावली के दिन भगवान श्री लक्ष्मीनाथ का श्रृंगार नये नोटों से की जाती है।

पुजारी हेमंत भोजक ने बताया कि कार्तिक माह में मंदिर में दोनों समय घृतयुक्त बड़ी बत्तियों से आरती की जाती है। पूरे

कार्तिक माह में भगवान की सुबह की आरती का समय भी निश्चित समय से एक घंटे पहले की जाती है।

डी..लिट मिलने पर जोशी का अभिनन्दन

लक्ष्मणगढ़. श्रीरघुनाथ उ मा विद्यालय के प्रधानाचार्य व कार्यकारी अधिकारी डॉ पूनमचंद जोशी को यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल अमरीका, बोलीविया की ओर से डी.लिट की मानद उपाधि प्रदान करने पर मंगलवार को संस्थान में उनका अभिनन्दन किया गया। चैयरमेन ओम् प्रकाश जोशी ने बताया कि डॉ जोशी को उक्त उपाधि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों तथा वंचित वर्ग के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए प्रदान की गई है। डॉ जोशी की इस | उपलब्धि पर संस्था के सचिव अरुण कुमार बजाज, चैयरमेन ओम् प्रकाश जोशी तथा उपप्रधानाचार्य अरुणा शर्मा ने मंगलवार को विद्यालय में आयोजित संक्षिप्त समारोह में साफा पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंटकर जोशी का अभिनन्दन किया।

आरएएस में चयनित शेखावत को सम्मानित किया

लक्ष्मणगढ़ | भारतीय सेना में सेवा देने के बाद राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित लालासी निवासी प्रहलाद सिंह शेखावत का ग्रामीणों की ओर से अभिनंदन किया गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, प्रधान मदनलाल सेवदा, पंस. सदस्य मनोहर, सरपंच सुचित्रा गढ़वाल व नन्दलाल शर्मा पालड़ी ने ग्रामीणों की ओर से आरएएस में चयनित प्रहलाद सिंह शेखावत का अभिनंदन किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने प्रहलाद सिंह शेखावत की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए अन्य युवाओं को भी प्रेरणा लेने की अपील की। कार्यक्रम में मूल सिह भाटी, शीशपाल सिह, भूपेन्द्र स्वामी, राजू गढ़वाल, विनोद शर्मा, गोपीराम जांगिड़, शक्ति सिंह, रतन सिंह, गुमान सिंह, सुरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व परिजन मौजूद थे।

विधिक सेवा सप्ताह 14 नवम्बर से

सीकर. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इंडिया अवरनेस एंड आउटरीच कैंपेन के तहत नौ से 14 नवम्बर तक विधिक सेवा सप्ताह मनाया जाएगा। इसके तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम होंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुमन सहारण ने बताया कि सप्ताह के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से जिला कारागृह, विद्यालयों, कॉलेज, विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम होंगे। इस दौरान प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनी .आदि का आयोजन किया जाएगा।

चिकित्सा शिविर में 155 लाभान्वित

लक्ष्मणगढ़ उपखंड के खुड़ी गांव में डालमिया सेवा ट्रस्ट व भारतीय सेवा समाज की ओर से शनिवार को एकदिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर व्यवस्थापक अभिमन्यु सिंह शेखावत ने बताया कि शिविर में 155 ग्रामीणों ने नि:शुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ उठाया। इस मौके पर डॉ जोगेंद्र सिंह के नेतृत्व में अन्य चिकित्सकों ने दमा, गठिया, जोड़ो का दर्द, मधुमेह, लीवर व पथरी, खाँसी, बुखार आदि के आसपास के गाँवों से आये 155 रोगियों को निःशुल्क जाँच कर औषधि प्रदान की गयी। इससे पहले भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद सिंह खुड़ी, पूर्व सरपंच नरेश मंडीवाल, आयुर्वेद चिकित्सक आशा चाहर, पन्नाराम घोटड़, बाबूलाल जांगिड़ आदि ने भगवान धनवंतरी और भारतीय सेवा समाज के संस्थापक स्वामी कृष्णानंद के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया।

पूर्व सांसद चौधरी कुंभाराम आर्य ने किसानों के जीवन स्तर में सुधार के लिए हर समय संघर्ष किया

सीकर. पूर्व सांसद चौधरी कुंभाराम आर्य ने किसानों के हित तथा जीवन स्तर को सुधारने के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। जिसके कारण मुख्य धारा से दूर रहे समाज को नई दिशा मिल सकी। ये विचार मंगलवार को पूर्व सांसद कुंभाराम आर्य की पुण्यतिथि पर उभर कर आए। मयूर गार्डन में हुए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण सारण ने कहा कि आर्य ने सरकार में मंत्री रहते हुए 1955 के राजस्व एक्ट में आदेश पारित कर किसान को जमीन का मालिकाना हक दिलवाया। अध्यक्षीय उद्बोधन में ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान अध्यक्ष चैन सिंह आर्य ने कहा कि आजादी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले आर्य ने किसानों के जीवन स्तर में सुधार के लिए हर समय संघर्ष किया।

शिक्षाप्रेमी ने दिया सरकारी स्कूल को प्रिंटर

लक्ष्मणगढ़, उपखंड के भूमा छोटा गांव स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में प्रमोद कुमार शर्मा की ओर से प्रिंटर प्रदान किया गया है। शिक्षाप्रेमी की ओर से दिए गए उक्त सहयोग के लिए शनिवार की संस्था प्रधान सुरेश कुमार के नेतृत्व में स्टाफ सदस्यों की ओर से प्रमोद कुमार शर्मा का सम्मान किया गया।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक समिति का स्नेह मिलन

क्ष्मणगढ़. लक्ष्मणगढ़ नागरिक सेवा समिति का दीपावली स्नेह मिलन समारोह जयपुर में हुआ। इसमें विशेष उपलब्धि वाले लोगों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को व्यवसायी विष्णु भूत उद्योगपति रामचंद्र जाजोदिया, विद्युत निगम के पूर्व एमडी भागीरथ भामू, पीएचईडी के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता शिवकुमार सोनी, उद्योगपति शुभकरण तोदी, बजरंग लाल बजाज, लक्ष्मीनारायण निराणिया, रामावतार पुजारी व दिनेश शर्मा ने भी संबोधित किया। संस्थान अध्यक्ष यशपाल सारण, कोषाध्यक्ष हेमंत जांगिड़, रामप्रसाद सैनी, नरेंद्र कविया, लक्ष्मीकांत जाजोदिया, सुरेन्द्र शर्मा, अजय जांगिड़, विमल जसरासरिया, जनार्दन जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के मंत्री विनोद व्यास ने किया। इस अवसर डीएसपी नरेंद्र दायमा, बजाज स्टील नागपुर में सीएस दिव्यांशु व्यास, सीएस ट्विंकल व्यास, यादगार पुलिस में टीसी कमलेश शर्मा रोरू, ओमप्रकाश जाजोदिया, छगनलाल सोनी, काशी प्रसाद भूत, प्रवेश सिंह, ओमप्रकाश सोनी, प्रदीप निराणिया, नवीन निराणिया व विनय शर्मा को व सम्मानित किया गया।

योग गुरु सम्मानित

लक्ष्मणगढ़. गोपाष्टमी पर्व पर जोधपुर के रामानन्द आश्रम सूरसागर में आयोजित वार्षिक गुरु दीक्षा महोत्सव पर कस्बा निवासी योग गुरु संपत बागड़ी को विशेष सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय हंस निर्वाण संप्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामानन्द महाराज व महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. शिव स्वरूपानंद महाराज ने बागड़ी को प्रशस्ति पत्र व श्रीफल भेंट किया। इसके साथ ही बागड़ी को सीकर जिले का मीडिया प्रभारी भी बनाने कीघोषणा की गयी।